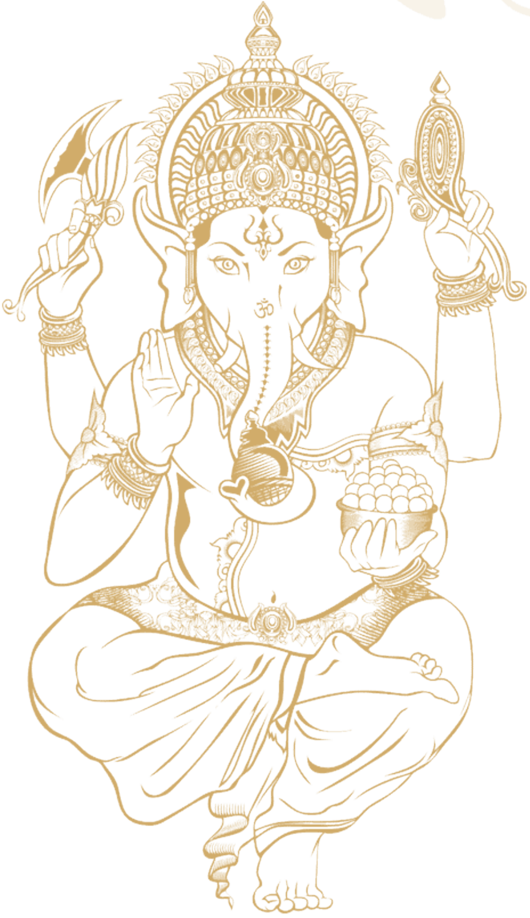

Jigar giri

07 Apr 2021

03:57 PM

Hazaribagh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121822102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/04/2021**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:57:00 घंटे**
इष्ट	25:55:07 घटी
स्थान	**Hazaribagh**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:00:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:08:32 घंटे
वेलान्तर	-00:02:07 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:13 घंटे
सूर्योदय	05:34:57 घंटे
सूर्यास्त	18:06:39 घंटे
दिनमान	12:31:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	23:40:30 मीन
लग्न के अंश	24:56:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:56:40	328:44:21	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मीन	23:40:30	00:59:01	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:30:21	12:48:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	26:09:13	00:36:04	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध		अ	मीन	11:50:14	01:51:49	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	नीच राशि
गुरु			कुंभ	00:18:32	00:11:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	मीन	26:46:13	01:14:24	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			मक	17:41:59	00:04:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृष	18:16:07	00:06:34	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:16:07	00:06:34	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मेष	15:12:25	00:03:16	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप			कुंभ	27:29:47	00:02:06	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	02:33:29	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			वृष	24:51:39	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:58

लग्न-चलित

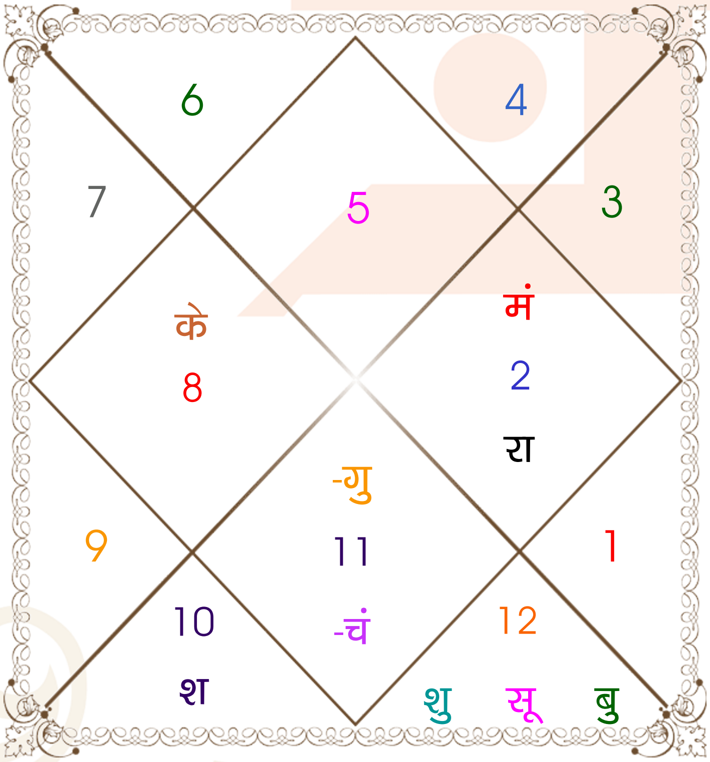

चन्द्र कुंडली

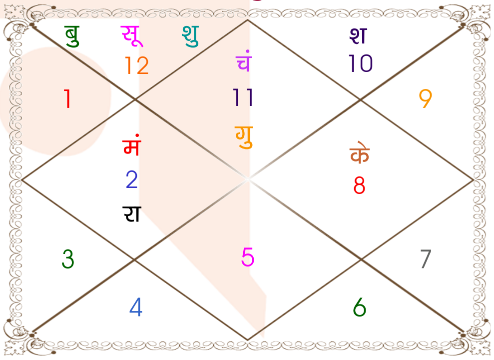

नवमांश कुंडली

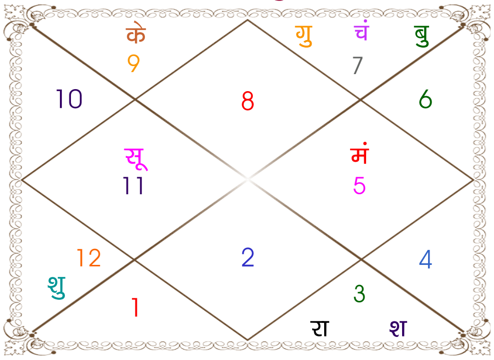

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 2 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
07/04/2021	02/07/2024	02/07/2042	02/07/2058	02/07/2077
02/07/2024	02/07/2042	02/07/2058	02/07/2077	02/07/2094
00/00/0000	राहु 15/03/2027	गुरु 19/08/2044	शनि 05/07/2061	बुध 28/11/2079
00/00/0000	गुरु 07/08/2029	शनि 03/03/2047	बुध 14/03/2064	केतु 25/11/2080
00/00/0000	शनि 13/06/2032	बुध 07/06/2049	केतु 23/04/2065	शुक्र 26/09/2083
07/04/2021	बुध 01/01/2035	केतु 14/05/2050	शुक्र 22/06/2068	सूर्य 01/08/2084
बुध 28/12/2021	केतु 19/01/2036	शुक्र 12/01/2053	सूर्य 04/06/2069	चंद्र 31/12/2085
केतु 27/05/2022	शुक्र 19/01/2039	सूर्य 01/11/2053	चंद्र 04/01/2071	मंगल 29/12/2086
शुक्र 27/07/2023	सूर्य 14/12/2039	चंद्र 03/03/2055	मंगल 13/02/2072	राहु 17/07/2089
सूर्य 02/12/2023	चंद्र 14/06/2041	मंगल 06/02/2056	राहु 20/12/2074	गुरु 23/10/2091
चंद्र 02/07/2024	मंगल 02/07/2042	राहु 02/07/2058	गुरु 02/07/2077	शनि 02/07/2094

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
02/07/2094	03/07/2101	03/07/2121	03/07/2127	03/07/2137
03/07/2101	03/07/2121	03/07/2127	03/07/2137	00/00/0000
केतु 28/11/2094	शुक्र 01/11/2104	सूर्य 20/10/2121	चंद्र 03/05/2128	मंगल 29/11/2137
शुक्र 28/01/2096	सूर्य 02/11/2105	चंद्र 21/04/2122	मंगल 02/12/2128	राहु 17/12/2138
सूर्य 04/06/2096	चंद्र 03/07/2107	मंगल 27/08/2122	राहु 03/06/2130	गुरु 23/11/2139
चंद्र 03/01/2097	मंगल 01/09/2108	राहु 22/07/2123	गुरु 03/10/2131	शनि 01/01/2141
मंगल 01/06/2097	राहु 02/09/2111	गुरु 09/05/2124	शनि 03/05/2133	बुध 08/04/2141
राहु 20/06/2098	गुरु 03/05/2114	शनि 21/04/2125	बुध 02/10/2134	00/00/0000
गुरु 27/05/2099	शनि 03/07/2117	बुध 25/02/2126	केतु 03/05/2135	00/00/0000
शनि 06/07/2100	बुध 03/05/2120	केतु 03/07/2126	शुक्र 01/01/2137	00/00/0000
बुध 03/07/2101	केतु 03/07/2121	शुक्र 03/07/2127	सूर्य 03/07/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 3 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।